



कोटा

Rashtradoot

फोन:- 2386031, 2386032 फैक्स:- 0744-2386033

वर्ष: 51

संख्या: 66

प्रभात

कोटा, शुक्रवार 19 दिसम्बर, 2025

कोटा/24/2012-14

पृष्ठ 6

मूल्य 2.50 रु.

‘अगर केरल में जीतना है तो वेणुगोपाल को प्रदेशाध्यक्ष बनाकर वहाँ भेजो’

कांग्रेस में यह आवाज जोरों से उठ रही है, पर, सवाल यह है कि यह मांग वेणुगोपाल को गौरवान्वित कर रही है या उनकी खिल्ली उड़ा रही है?

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 18 दिसंबर। कांग्रेस पार्टी के भीतर एक जंग का माहौल है, अगर पार्टी को केरल में जीतना है तो के.सी. वेणुगोपाल को केरल भेजो बतौर पीसीसी अध्यक्ष, अन्यथा वाम मोर्चा राज्य में रिकॉर्ड तीसरी बार सत्ता में आ सकता है!!

क्या यह चुटकी ली जा रही है, क्योंकि पार्टी के कई गुट चाहते हैं कि वेणुगोपाल, एआईसीसी से और कांग्रेस की सत्ता से बाहर हो जाएं, क्योंकि उन्होंने खुद को पार्टी का निर्विवाद राजा बना लिया है, उन्हें राहुल गांधी के वीडो के साथ और उनका पूरा विश्वास और समर्थन प्राप्त है। राहुल गांधी ने अपनी निर्णय लेने की शक्ति का एक बड़ा हिस्सा के.सी. वेणुगोपाल को सौंप दिया है और इससे कांग्रेस के कई नेताओं को भारी नाराजगी है, जो महसूस करते हैं कि वेणुगोपाल अपनी मर्जी से काम करते हैं और पार्टी के हित को ध्यान में नहीं रखते।

- अधिकतर नेतागण वेणुगोपाल को केरल इसलिए भेजना चाहते हैं, जिससे ए.आई.सी.सी. में घुटन कम हो।
- वेणुगोपाल पर राहुल गांधी को इतना “भरोसा” है, कि जब तक वेणुगोपाल की मोहर नहीं लगती ए.आई.सी.सी. में कोई काम नहीं होता।
- अच्छे-अच्छे नेता भी इस कथन की सत्यता से पूरी तरह वाकिफ हो गए हैं तथा उन्हें वेणुगोपाल के सम्मुख नतमस्तक होना ही पड़ता है। यहाँ तक कि राहुल के नज़दीकी व विश्वासपात्र अजय माकन भी अब वेणुगोपाल के साथ मिलकर काम करने में ही अपनी भलाई देख रहे हैं।
- वेणुगोपाल ने हर राज्य में एक अपना मनपसंद प्रभारी नियुक्त कर रखा है और ये प्रभारी वेणुगोपाल के मन के अनुरूप राज्य में कांग्रेस को चलाते हैं।

कांग्रेस के अधिकांश नेताओं ने के.सी. वेणुगोपाल के आगे समर्पण कर दिया है, और वे उनके आदेशों का पालन करते हैं, क्योंकि वे अच्छी तरह जानते

हैं कि राहुल गांधी तक पहुँचने का रास्ता के.सी. वेणुगोपाल के माध्यम से ही है। यहाँ तक कि राहुल गांधी के एक वफादार और करीबी साथी अजय

माकन, जो एआईसीसी के कोषाध्यक्ष हैं, को भी किसी निर्णय पर अंतिम मुहर लगाने से पहले वेणुगोपाल से मिलना पड़ता है। क्योंकि राहुल ने माकन को कह दिया है कि उन्हें वेणुगोपाल से बात करनी चाहिए।

के.सी. वेणुगोपाल और अजय माकन ने इंदिरा भवन से काम करने का निर्णय लिया है, बजाय 24 अकबर रोड के।

क्यों, जबकि कोई कार्यक्रम इंदिरा भवन तक पहुँच ही सकता और किसी नेता से मिल भी नहीं सकता? इसका उत्तर एक पुराने कांग्रेस विश्लेषक से मिला, जो कहते हैं कि माकन व वेणुगोपाल चाहते हैं कि सार्वजनिक संपर्क, जितना संभव हो सके, कम रखा जाए।

और बाकी महासचिव और राज्य प्रभारी का क्या, वे पार्टी कार्यालय क्यों नहीं आते और वहाँ से काम क्यों नहीं करते?

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

‘महबूबा ने भी एक महिला का बुर्का उतरवाया था’

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 18 दिसम्बर। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने श्रीनगर में कहा, “लोग शायद इस बात को भूल गये हों कि महबूबा मुफ्ती ने एक वैध मतदाता का बुर्का एक मतदान केन्द्र के अंदर हटवाया था। यह उसी मानसिकता की निरंतरता है।” उमर, जो बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को हिजाब विवाद पर आलोचना करने वाले पहले नेताओं में से थे, ने अपनी राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी महबूबा पर पलटवार किया। उन्होंने आरोप लगाया कि नीतीश कुमार एक साम्प्रदायिक पार्टी के सहयोगी के रूप

- जम्मू कश्मीर के मु.मंत्री उमर अब्दुल्लाह ने याद दिलाया कि मतदान केन्द्र में महबूबा मुफ्ती ने वोट डालने आई एक महिला का बुर्का उतरवाया था।

में एक महिला डॉक्टर का बुर्का हटाकर, “अपना असली रंग दिखा रहे हैं।” अब्दुल्ला ने याद दिलाया कि यह ट्रेंड महबूबा ने ही शुरू किया था। ज्ञातव्य है कि अप्रैल 2004 के चुनावों के दौरान, मुफ्ती ने एक महिला का बुर्का उड़ाया था। जब इसके लिए उनकी आलोचना की गई, तो उन्होंने कहा था कि वह मतदाता की पहचान स्थापित करने की कोशिश कर रही थीं, क्योंकि बुर्के का इस्तेमाल अक्सर झूठे वोट डालने के लिए किया जाता है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

‘नारी सशस्त्रीकरण का नारा अति प्रचलित है आजकल राजनीति में’

प्रशांत किशोर ने डेढ़ घंटे की मुलाकात में प्रियंका गांधी को यह “नेक” सलाह दी कि उन्हें अधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभानी चाहिए कांग्रेस की राजनीति में

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 18 दिसंबर। चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर (पीके) की कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी से हाल ही में हुई मुलाकात दरअसल सिर्फ इतना ही दर्शाती है कि जन सुराज पार्टी के संस्थापक कांग्रेस के साथ संभावना एवं अवसर की एक खिड़की खुली रखना चाहते हैं।

नई दिल्ली में दोनों नेताओं की डेढ़ घंटे की इस मीटिंग के बाद राजनीतिक हलकों में ये अटकलें तेज हो गई कि किशोर ने बिहार कांग्रेस अध्यक्ष पद के बदले जन सुराज पार्टी के कांग्रेस में विलय का प्रस्ताव रखा है। लेकिन जेएसपी के सूत्रों ने ऐसी संभावनाओं को खारिज करते हुए कहा कि पीके खुद को इस तरह कम करके नहीं आँकते।

हाल ही में संपन्न बिहार चुनावों में कांग्रेस और जन सुराज पार्टी, दोनों को ही भारी नुकसान उठाना पड़ा है। कांग्रेस ने जिन 60 सीटों पर चुनाव लड़ा, उनमें से वह सिर्फ छह पर जीत हासिल कर सकी, जबकि जन सुराज पार्टी एक भी सीट नहीं जीत सकी और 236 विधानसभा क्षेत्रों में उसकी जमानत जबा हो गई। संभवतः दो पराजित दलों

- प्रशांत किशोर का मानना है कि राजनीति में उतार-चढ़ाव तो आते रहते हैं. अतः कुछ समय बाद, कालांतर में कांग्रेस की स्थिति में सुधार अवश्य होगा और वे कांग्रेस के लिए अवैतनिक (फ्री) सलाहकार की भूमिका निभा सकते हैं।

- जैसा कि विदित ही है, बिहार चुनाव में दोनों पार्टियों, कांग्रेस व प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी, की बहुत खराब हालत हुई थी। कांग्रेस 60 सीटों पर चुनाव लड़ी थी तथा केवल छः सीटों पर ही जीत पाई तथा जन सुराज पार्टी 236 सीटों पर चुनाव लड़ी थी तथा सभी सीटों पर जमानत नहीं बचा पाई थी।

- प्रशांत किशोर सदा राहुल से ज्यादा प्रियंका के नज़दीक थे तथा 2017 के यू.पी. के चुनाव में कांग्रेस की रणनीति तैयार करते समय, उन्होंने प्रियंका गांधी को मु.मंत्री पद के लिए प्रोजेक्ट करने की राय दी थी।

- प्रियंका भी काफी इच्छुक थीं कि प्रशांत किशोर कांग्रेस जाँइन कर लें।
- अब प्रियंका गांधी से मुलाकात करके प्रशांत किशोर ने कांग्रेस से बातचीत का सिलसिला जारी रखने के लिए एक खिड़की खोल ली है।

का विलय बिहार में या कहीं भी कोई

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

‘बोतलबंद पानी की अशुद्धता की याचिका शहर केन्द्रित सोच का प्रतीक’

सी जे आई ने इस याचिका की सुनवाई करते हुए “लगज़री” मुकदमा और अमीरों की चोंचलेबाजी करार दिया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 18 दिसंबर। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को एक जनहित याचिका को नकारते हुए कहा कि भारत की बड़ी आबादी, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, अभी भी बुनियादी पेयजल तक से वंचित है। कोर्ट ने इस याचिका को “लगज़री मुकदमा” करार देते हुए, पैकेज्ड ड्रिंकिंग वॉटर के लिए अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों को अपनाने की मांग करने वाली याचिका पर विचार तक करने से इंकार कर दिया।

मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की बेंच, सारंग वामन यादवड़कर द्वारा दायर एक याचिका की सुनवाई कर रही थी, जिसमें यह आरोप लगाया गया था कि देश में बिकने वाला पैकेज्ड पानी विकसित

- याचिकाकर्ता की वकील अनिता शेनॉय ने कहा कि यह मुद्दा जन स्वास्थ्य से जुड़ा है और उपभोक्ता को स्वच्छ व शुद्ध बोतलबंद पानी मिलना चाहिए और इसमें डबल्यू एच ओ के मानकों का पालन होना चाहिए
- चीफ जस्टिस सूर्य कांत ने याचिका पर कड़ी टिप्पणी की और कहा, जब गांधी जी भारत लौटे थे, तो गरीबी से ग्रस्त क्षेत्रों में गए थे. याचिकाकर्ता से कहिए ग्रामीण क्षेत्रों में जाए और देखे कि लोग पीने का पानी पाने के लिए कितना संघर्ष करते हैं, तब उसे समझ आएगा, असली भारत की तकलीफ क्या है।

देशों के मानकों, जिसमें विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा निर्धारित मानक शामिल है, के अनुरूप नहीं है। याचिकाकर्ता ने पैकेज्ड पानी के गुणवत्ता मानकों को बढ़ाने और फूड सेफ्टी एण्ड स्टैंडर्ड

अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एफ एस एस ए आई) के तहत बोतलबंद पानी के नियामक ढांचे को मजबूत करने की दिशा में आदेश देने की मांग की थी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हाई कोर्ट में लोक अदालत आज

जयपुर, 18 दिसंबर। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से शुक्रवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। यह पहला अवसर होगा जब लोक अदालत की शुरुआत दोपहर 3.30 बजे से होगी। प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष जस्टिस संजीव प्रकाश शर्मा जयपुर पीठ में लोक अदालत का शुभारंभ करेंगे। इसी तरह

- राजीनामा करने के लिए जयपुर व जोधपुर में तीन-तीन बेंच बनाई गई हैं।

जोधपुर में जस्टिस पुष्पेन्द्र सिंह भाटी इसकी शुरुआत करेंगे।

जयपुर पीठ में मुकदमों के आपसी राजीनामे के जरिये निपटारे के लिए तीन बेंच बनाई गई हैं, जिनकी अध्यक्षता मौजूदा न्यायाधीश प्रवीर भटनागर, जस्टिस संदीप तनेजा और जस्टिस बिपिन गुप्ता करेंगे। वहीं, इनमें सदस्यों के रूप में वरिष्ठ अधिवक्ता एसके गुप्ता, महेंद्र शाह और अजय कुमार बाजपेयी को जिम्मेदारी दी गई है। इसी तरह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नीति आयोग के पूर्व कर्ताधर्ता अमिताभ कांत सरकार से इतने रुष्ट क्यों हैं?

अमिताभ कांत की पीड़ा यह है कि क्वालिटी कंट्रोल ऑर्डर के नाम पर नये-नये मापदंड लाए जा रहे हैं, एम.एस.एम.ई. सैक्टर पर, जिससे भारत में निर्मित माल, विश्व की सप्लाई शृखंला का हिस्सा नहीं बन पा रहा

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 18 दिसम्बर। नीति आयोग के पूर्व सीईओ अमिताभ कांत ने भारत के तेजी से बढ़ते क्वालिटी कंट्रोल ऑर्डर (क्यूसीओ) सिस्टम की अब तक की सबसे तीखी आलोचना की है। उनका कहना है कि जिसे आधिकारिक तौर पर स्टैंडर्ड और सुरक्षा अभ्यास के रूप में पेश किया जा रहा है, वह असल में संरक्षणवाद का सीधा हथियार बन गया है, जो प्रतिस्पर्धा, रोजगार और एमएसएमई को नुकसान पहुँचा रहा है।

‘पॉडकास्ट “यो”’ में मोनिका हलान से बातचीत करते हुए कांत ने कहा कि क्यूसीओ का व्यापक और बेतहाशा विस्तार, जो अब 760 से अधिक उत्पादों और क्षेत्रों को कवर करता है, “संरक्षणवाद का सबसे खराब रूप” है।

- क्वालिटी कंट्रोल के यह मापदंड 760 प्रोडक्ट्स व सैक्टर पर लगाये गए हैं तथा ज्यादा वेदना का विषय यह है कि ये मापदंड “इनपुट” (निर्माण) में काम आने वाले सामान पर लागू किए गये हैं। मापदंडों की पालना से भारतीय सामान महंगा होता जा रहा है तथा अन्य प्रतिस्पर्धी देश अपना सामान भारत की तुलना में सस्ता बेच रहे हैं और भारत अपना निर्यात बढ़ाने का सुअवसर खोता जा रहा है।

खासतौर पर इसलिए, क्योंकि इनमें से कई आदेश अंतिम उपभोक्ता वस्तुओं पर नहीं, बल्कि कच्चे माल, मध्यवर्ती उत्पादों और पुर्जों पर लगाए गए हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यहीं पर भारत खुद अपने ही पैरों पर कुल्हाड़ी मार रहा है।

कांत के मुताबिक, इनपुट्स (उत्पादन में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल) पर बाधाएँ बढ़ाकर क्यूसीओ गैर-शुल्क व्यापार बाधाओं की तरह

काम करते हैं। इससे आयात सीमित होता है और घरेलू निर्माताओं के लिए लागत बढ़ जाती है। कांत ने कहा, इसका सबसे ज्यादा बोझ एमएसएमई पर पड़ता है, जिनके पास न तो इतनी बड़ी क्षमता होती है और न ही सौदेबाजी की ताकत कि वे ऊँची इनपुट कीमतों या जटिल अनुपालन नियमों को आसानी से झेल सकें। नतीजा यह होता है कि भारतीय कंपनियाँ वैश्विक वैल्यू चेन में कम

प्रतिस्पर्धी बन जाती हैं, जिससे सरकार द्वारा समर्थित मैनुफैक्चरिंग और निर्यात महत्वाकांक्षाएँ ही कमजोर होती हैं।

कांत ने कहा कि समस्या अब सीमित या लक्षित हस्तक्षेप तक नहीं रही है, बल्कि यह बेकाबू विस्तार का रूप ले चुकी है। बोते एक साल में ही सैकड़ों नए क्यूसीओ जारी किए गए, वह भी अक्सर बिना पर्याप्त परामर्श के। इससे विभिन्न क्षेत्रों में इनपुट लागत बढ़ी है, मुनाफे के मार्जिन सिमटे हैं और कंपनियाँ वैश्विक उत्पादन नेटवर्क से जुड़ने से हतोत्साहित हुई हैं। कुछ खास उत्पादों के लिए सीमित क्यूसीओ को सही ठहराया जा सकता है, लेकिन मौजूदा “बेलगाम” फैलाव, उनके अनुसार, कच्चे माल और पुर्जों को बेवजह महंगा बनाकर भारत की विकास कहानी को नुकसान पहुँचा रहा है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सरिस्का के बफर ज़ोन में आग लगी

अलवर, 18 दिसम्बर। अलवर शहर से लगते सरिस्का टाइगर रिजर्व के बफर ज़ोन के जंगल में देर रात करीब 8 बजे अलाव की चिंगारी से आग लग गई, जिसके कारण वनकर्मियों में अफरा-तफरी मच गई। दरअसल, बफर ज़ोन के जंगल में 10 से अधिक टाइगर और 30 से अधिक लेपर्ड हैं। वनकर्मियों और दमकलकर्मियों ने मिलकर रात करीब सवा बजे आग बुझाई। आमजन ने घरों की छत से वीडियो भी बनाए।

सरिस्का के एक कर्मचारी ने बताया, चौबुर्जा के आसपास के जंगल में ऊंची पहाड़ी पर आग की लपटें जब

- सौ हैक्टर में लगी आग पाँच घंटे में काबू में आई।

शहर में घरों की छतों से साफ नजर आने लगीं, उसके बाद आग लगने का पता चला। फिर तुरंत वनकर्म सागर की तरफ से पहाड़ी पर चढ़े। करीब 20 से 30 कर्मचारियों ने मिलकर आग को बुझाया।

दमकल भी मौके पर पहुँची। लेकिन उसके ऊपर जाने का कोई रास्ता नहीं था। इसके कारण दमकल का कोई उपयोग नहीं हो सका। मोहल्ले के कुछ लोग भी वनकर्मियों के साथ आग बुझाने के लिए पहाड़ पर चढ़े।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पर्यावरण संरक्षण हमारी देश और प्रदेश की संस्कृति का अभिन्न हिस्सा : भजनलाल शर्मा

हमारे प्रदेश में ‘खेजड़ली का बलिदान’ पर्यावरण संरक्षण का सबसे बड़ा उदाहरण : मुख्यमंत्री

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने आमजन से आवाहन किया कि पर्यावरण संरक्षण हमारी देश और प्रदेश की संस्कृति का अभिन्न हिस्सा रहा है। हम नदियों, पर्वतों, वृक्षों, धरती और सूर्य को पूजते हैं, क्योंकि जीवन की निरंतरता प्रकृति के संरक्षण पर ही निर्भर है। उन्होंने कहा कि हमारे प्रदेश में ‘खेजड़ली का बलिदान’ पर्यावरण संरक्षण का सबसे बड़ा उदाहरण है। उन्होंने आमजन को आवाहन किया कि, पर्यावरण संरक्षण का व्यक्तिगत संकल्प लेते हुए प्रदेश को विकास के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण में भी अग्रणी बनाएँ, ताकि आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित भविष्य मिले। शर्मा गुरुवार को जयपुर में आयोजित हरियाली राजस्थान पर्यावरण कॉन्क्लेव को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जलवायु परिवर्तन, वायु प्रदूषण और जल संकट जैसी गंभीर चुनौतियों को देखते हुए राज्य सरकार ने पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन बनाया है। वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के माध्यम से परंपरिक जल स्रोतों के पुनर्जीवन, वर्षा जल संचयन और जलाशयों की स्वच्छता को जनभागीदारी से जोड़ा



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को हरियाली राजस्थान पर्यावरण कॉन्क्लेव में ‘मेरी लाइफ़-सस्टेनेबल लाइफ़स्टाइल फॉर एनवायरमेंट पोस्टर’ का विमोचन किया। इस मौके पर मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, प्रधान मुख्य वन संरक्षक अरिजीत बनर्जी, अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद कुमार, प्रदूषण नियंत्रण मंडल अध्यक्ष आलोक गुप्ता समेत कई लोग मौजूद थे।

गया है। वहीं, कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान के माध्यम से प्रवासी राजस्थानियों को जोड़ते हुए 14 हजार से अधिक ग्रांडंड वॉटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर्स का निर्माण करवाया गया है। प्रधानमंत्री नेन्द्र मोदी के ‘एक पेड़ मां के नाम’ अभियान से प्रेरित हरियाली राजस्थान अभियान के अंतर्गत दो वर्ष में लगभग 20 करोड़ पौधे लगाए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार संकुलर इकोनॉमी इंसेंटिव स्कीम 2025 लेकर आई है। प्रदेश में ई-

वेस्ट, प्लास्टिक वेस्ट और बैटरी वेस्ट के सुरक्षित निस्तारण के लिए अधिकृत इकाइयां संचालित की जा रही हैं। सिंगल यूज प्लास्टिक के विरुद्ध जन-जागरूकता और रिवर्स वॉर्डिंग मशीनों के माध्यम से प्लास्टिक संग्रह को व्यापक स्तर पर प्रोत्साहित किया जा रहा है।

हम प्रदेश को ग्रीन इनेवेशन हब के रूप में स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रहे हैं। शर्मा ने कहा कि क्लीन और ग्रीन एनर्जी के

क्षेत्र में राजस्थान तेजी से बढ़ रहा है। आज हमारा प्रदेश 22 हजार 860 मेगावाट की सौर ऊर्जा उत्पादन क्षमता के साथ देश में प्रथम स्थान पर है। प्रधानमंत्री कुसुम योजना के अंतर्गत 2 हजार 272 मेगावाट की सौर ऊर्जा क्षमता स्थापित की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की सौर ऊर्जा शक्ति का ही परिणाम है कि आज राजस्थान के 22 जिलों के किसानों को दिन के समय में ही बिजली उपलब्ध कराई जा रही है। इससे कोयला आधारित बिजली

उत्पादन पर निर्भरता घट रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने 2 वर्ष के कार्यकाल में बिजली और पानी की उपलब्धता और महिला, युवा, किसान और मजदूर के कल्याण के लिए एक रोडमैप बनाया है। राम जल सेतु लिंक परियोजना, यमुना जल समझौता, इंदिरा गांधी नहर, देवास परियोजना, माही बांध, सोम-कमला-अम्बा सहित विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से पानी की उपलब्धता को बढ़ावा दिया जा रहा है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने ‘मेरी लाइफ़-सस्टेनेबल लाइफ़स्टाइल फॉर एनवायरमेंट पोस्टर’ का विमोचन किया। कॉन्क्लेव में राज्य सरकार की दो वर्ष की उपलब्धियों को लेकर लघु फिल्मों का प्रदर्शन भी किया गया।

इससे पहले मुख्यमंत्री ने यहां प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस अवसर पर मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, प्रधान मुख्य वन संरक्षक अरिजीत बनर्जी, अतिरिक्त मुख्य सचिव वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन आनंद कुमार, राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल के अध्यक्ष आलोक गुप्ता और सदस्य सचिव कपिल चंद्रवाल सहित बड़ी संख्या में पर्यावरणविद, विशेषज्ञ एवं उद्योगजगत के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

देवनानी से हरियाणा के पूर्व मंत्री धनखड की मुलाकात

जयपुर । विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से गुरुवार को राजकीय आवास पर हरियाणा के पूर्व कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश धनखड़ ने मित्राचार भेंट की। मुलाकात के दौरान देवनानी ने धनखड़ का पारंपरिक रूप से दुपट्टा पहनकर स्वागत किया तथा उन्हें राजस्थान विधानसभा का स्मृति-चिह्न एवं पुस्तक ऑपरेशन सिंदूर भेंट कर सम्मानित किया। दोनों ने समसामयिक राजनीतिक विषयों, लोकतांत्रिक मूल्यों, संसदीय परंपराओं तथा राष्ट्र निर्माण में विधायिका की भूमिका पर चर्चा की। राजस्थान

विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से यहां विधान सभा में संस्कृति चिल्ड्रन्स एकेडमी के छात्र-छात्राओं ने मुलाकात की। देवनानी ने बच्चों से कहा कि पढ़ो लिखो, मेहनत करो और निरन्तर आगे बढ़ते रहो। देवनानी ने बच्चों से उनकी पढ़ाई और परिवार के बारे में पूछा। छात्र-छात्राओं ने राजस्थान विधान सभा सभा का राजनैतिक आख्यान संग्रहालय भवन और सदन देखा। विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी को संस्कृति चिल्ड्रन्स एकेडमी के बच्चों ने अपने हाथों से बनाये उपहार भेंट किये।

झुन्झुनू से चिड़ावा-पचेरी हरियाणा बॉर्डर तक फोरलेन सड़क बनेगी

जयपुर (कासं)। झुन्झुनू-चिड़ावा-सिंचाना-पचेरी (हरियाणा बॉर्डर सीमा) तक 4 लेन सड़क का निर्माण करवाया जाएगा। भारत सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने 78.180 कि.मी. फोरलेन सड़क (एनएच 111)निर्माण के लिए 2202.67 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की है ।

इस परियोजना में झुन्झुनू बीड, बगड, खुडाना, सिंचाना, पचेरी कलां आदि में 4 लेन बाईपास सड़क निर्माण कार्य एवं चिड़ावा में पिलानी सड़क से लाखू तिराहा एवं लाखू तिराहा से ओजड़ तिराहा तक 4 लेन रिग रोड का निर्माण करवाया जायेगा। इस परियोजना में बाईपास सड़क की कुल लम्बाई 41.660 कि.मी. तथा एग्रीजस्टिंग रोड की कुल लम्बाई

- 2203 करोड़ की लागत से 78 कि.मी. हाईवे बनेगा फोरलेन, प्रोजेक्ट में 42 ब्रिज बनेंगे
- प्रदेश के आर्थिक विकास को नई दिशा और गति मिलेगी : उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी

36.520 किमी में 4 लेन सड़क बनायी जायेगी। उक्त परियोजना में कुल 42 ब्रिज बनाये जाएंगे। वर्तमान में भूमि अधिग्रहण की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने इस स्वीकृति के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि इस फोरलेन हाईवे के निर्माण से द्रुत एवं सुगम आवागमन की सुविधा मिलेगी। इससे

क्षेत्र एवं प्रदेश के विकास को नई दिशा एवं गति मिलेगी, औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिलेगा और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। ग्रामीण क्षेत्रों की उपजों की बड़े बाजारों तक पहुँच आसान होगी जिससे किसानों की आय में वृद्धि होगी। उन्होंने कहा है की मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व एवं प्रदेश में मजबूत आधारभूत ढाँचा स्थापित किया जा रहा है , जो प्रदेश के विकास को नई ऊंचाइयों पर पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

जयपुर (कासं)। जयपुर विकास प्राधिकरण ने राजधानी जयपुर में सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने और सुनियोजित शहरी विकास के लिए बड़ा कदम उठाया है। आयुक्त आनंदी ने बताया कि प्राधिकरण ने मेट्रो लाइन के साथ स्थित पांच प्रमुख मार्गों को ट्रांजिट-ओरिएंटेड डवलपमेंट कॉरिडोर घोषित किया है।इनमें वीर तेजाजी सर्कल से पंडित टी.एन. मिश्रा मार्ग जंक्शन (1.4 कि.मी.), पंडित टी.एन. मिश्रा मार्ग जंक्शन से भारत आश्रम मार्ग जंक्शन (1.5 कि.मी.), भारत आश्रम मार्ग जंक्शन से जनपथ मार्ग जंक्शन (1.1 कि.मी.), जनपथ मार्ग जंक्शन से ईप्सआई रोड जंक्शन (1.6 कि.मी.) और ईप्सआई रोड जंक्शन से टॉक रोड जंक्शन (1.3 कि.मी.) को शामिल किया गया है।

जयपुर (कासं)। जयपुर विकास प्राधिकरण के निर्देश पर झोटवाड़ा के ग्राम नांगल जैसा बोहरा में मेरी पहल संस्था एनजीओ के परिसर में अवैध तौर पर बंधक बनाए गए 18 लोगों को रेस्क्यू ऑपरेशन में मुक्त कराया गया। इनमें 11 महिलाएं व 7 पुरुष शामिल थे। वहीं संस्था संचालक को भी गिरफ्तार किया गया। कार्रवाई के बाद महिलाओं और पुरुषों को उनके घर भेजा गया। वहीं इनमें से कुछ महिलाओं को महिला सदन में रखा गया है और उनके परिवजनों से संपर्क किया जा रहा है।

कार्रवाई में पता चला कि एनजीओ संस्था के परिसर में संचालक ने खुद को भिक्षुक पुनर्वास केंद्र संचालन करने वाला बताया, लेकिन वहां जो कौशल विकास या पुनर्वास कार्य नहीं किया जा रहा था। रेस्क्यू अभियान की कार्रवाई हाईकोर्ट के एग्रेटोर सीजे व प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष जस्टिस संजीव

जयपुर (कासं)। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर झोटवाड़ा के ग्राम नांगल जैसा बोहरा में मेरी पहल संस्था एनजीओ के परिसर में अवैध तौर पर बंधक बनाए गए 18 लोगों को रेस्क्यू ऑपरेशन में मुक्त कराया गया। इनमें 11 महिलाएं व 7 पुरुष शामिल थे। वहीं संस्था संचालक को भी गिरफ्तार किया गया। कार्रवाई के बाद महिलाओं और पुरुषों को उनके घर भेजा गया। वहीं इनमें से कुछ महिलाओं को महिला सदन में रखा गया है और उनके परिवजनों से संपर्क किया जा रहा है।

कार्रवाई में पता चला कि एनजीओ संस्था के परिसर में संचालक ने खुद को भिक्षुक पुनर्वास केंद्र संचालन करने वाला बताया, लेकिन वहां जो कौशल विकास या पुनर्वास कार्य नहीं किया जा रहा था। रेस्क्यू अभियान की कार्रवाई हाईकोर्ट के एग्रेटोर सीजे व प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष जस्टिस संजीव

160 देशों के 10 लाख अभ्यासी एक साथ करेंगे ध्यान

जयपुर (कासं)। विश्व ध्यान दिवस पर 21 दिसंबर को हार्टफुलनेस मूवमेंट द्वारा शांति, सद्भाव और आंतरिक संतुलन के लिए एक ऐतिहासिक वैश्विक लाइव मेडिटेशन सत्र का आयोजन किया जा रहा है। इस विशेष सत्र का नेतृत्व हार्टफुलनेस के वैश्विक मार्गदर्शक पूज्य दाजी कमलेश डी पटेल करेंगे। यह लाइव ध्यान सत्र रात 8 बजे प्रारंभ होगा और 'एक विश्व, एक हृदय' के प्रेरक संदेश के साथ पूरी दुनिया को एक सूत्र में पिरोएगा।

कार्यक्रम के राज्य समन्वयक विकास मोधे ने बताया कि इस वैश्विक आयोजन में 160 देशों के 10 लाख से अधिक अभ्यासी ऑनलाइन माध्यम से एक साथ ध्यान अभ्यास करेंगे। राजस्थान के जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, कोटा, अजमेर, बीकानेर सहित सभी जिलों के हार्टफुलनेस अभ्यासी और साधक भी अपने-अपने स्थानों से इस सामूहिक ध्यान में सहभागिता करेंगे। राज्य के अनेक केंद्रों पर सामूहिक रूप से स्क्रीन के माध्यम से जुड़ने की भी तैयारियां की जा रही हैं। हार्टफुलनेस संगठन द्वारा आयोजित यह सत्र यू टचयू लू लाइव सहित अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर नि:शुल्क उपलब्ध रहेगा।

1993 के सीरियल ट्रेन ब्लास्ट के अभियुक्तों की समय पूर्व रिहाई से हाईकोर्ट का इनकार

-कार्यालय संवाददाता-
जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने साल 1993 में मुंबई सहित छह राज्यों में हुए सीरियल ट्रेन बम ब्लास्ट मामले में आजीवन कारावास की सजा भुगत रहे अभियुक्तों को समय पूर्व रिहा करने से इनकार कर दिया है। जस्टिस सुदेश बंसल और जस्टिस भुवन गोयल की खंडपीठ ने यह आदेश अशफाक खान, एफआर सूफी, एआर अंसारी, मोहम्मद एजाज अकबर, मोहम्मद अमीन, मोहम्मद शमसुद्दीन और मोहम्मद अफाक की ओर से दायर याचिका को खारिज कर दिया है।

अदालत ने कहा कि अभियुक्त टाडा के तहत अपराध में आजीवन कारावास की सजा के दोषी हैं। ऐसे में उन्हें समय से पूर्व रिहा नहीं किया जा सकता। इसके साथ ही अदालत ने कहा कि न्यायिक समीक्षा के अधिकार के तहत हाईकोर्ट अपीलीय अदालत की तरह तथ्यों का पुनर्मूल्यांकन कर दखल नहीं दे सकता, जब तक की प्रशासनिक

- मुंबई सहित छह राज्यों में वर्ष 1993 में हुआ था सीरियल ट्रेन बम ब्लास्ट

निर्णय मनमाना और कानून के विपरीत ना हो। खंडपीठ ने कहा कि आतंकवादी गतिविधियां अत्यंत जघन्य अपराध हैं। आतंकवाद जैसे गंभीर अपराध में दोषी अभियुक्तों की रिहाई ना केवल समाज के लिए खतरा है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी गंभीर जोखिम पैदा करेगा।

याचिकाओं में कहा गया कि दिसंबर, 1993 में हुए सीरियल ट्रेन बम ब्लास्ट मामले में उन्हें दोषी मानते हुए अजमेर की विशेष टाडा कोर्ट ने 28 फरवरी, 2024 को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। इस आदेश की अपील भी सुप्रीम कोर्ट ने 11 मई, 2016 को खारिज कर दी थी। याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ता बीस साल की अवधि से अधिक समय से जेल में

रत्न एवं आभूषण के महाकुंभ “जयपुर ज्वैलरी शो” का आज होगा शुभारंभ

जयपुर (कासं)। रत्न एवं आभूषण के महाकुंभ “जयपुर ज्वैलरी शो” इस वर्ष कलई जेमस्टोन्स थ्री के साथ जयपुर के सीतापुरा स्थित नोवोटेल जयपुर कन्वेंशन सेंटर में 19 से 22 दिसंबर तक होगा। शो का उद्घाटन शुक्रवार प्रातः मुख्य अतिथि एंजेलॉजिकल इंस्टीटयूट ऑफ अमेरिका, इंक. (जीआईए) के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी, प्रोतेशा पटेल करेंगे।

जेजेएस मानद सचिव राजीव जैन ने बताया कि जेजेएस वर्ष 2025 में 1227 बुक्स और 660 एंजीबिटर्स के साथ अब तक का सबसे बड़ा और विशाल शो होगा। इन बुक्स में 624 गोल्ड ज्वैलरी, 314 लुज मेस्टोन्स, 74 सिल्वर ज्वैलरी की हॉंगी, जबकि 74 एलाइड मशीनरी के बुक्स होंगे। जेजेएस में इस वर्ष भी ज्वैलरी सैंक्शन में लगभग 66 प्रतिशत डिजाइनर बुक्स हैं, जो जेजेएस को न केवल खूबसूरत बनाएंगे, बल्कि विजिटर्स को नयेपन का एहसास होगा। इसके अतिरिक्त, बी2बी ग्राहकों के लिए जेजेएस के मुख्य आकर्षण पिंक क्लब में 74 प्री-फैब्रिकेटेड बुक्स हैं, जिसमें 44 ज्वैलरी और 30 जेमस्टोन्स के बुक्स एंगे। वहीं,



डिजाइनरों को प्रोत्साहित करने और बढावा देने के लिए, जयपुर ज्वैलरी शो इस वर्ष 8वें जयपुर ज्वैलरी डिजाइन फेस्टिवल (जेजेडीएफ) की मेजबानी कर रहा है, जिसके अंतर्गत 67 बुक्स होंगे। जेजेएस वाईस चेयरमैन, दिनेश खटोरिया ने बताया कि केवल 67 बु्थों के साथ एक छोटी-सी शुरुआत करने वाला जयपुर ज्वैलरी शो आज अपने 23 वर्षों के गौरवपूर्ण सफर में नई ऊंचाइयों को छू चुका है। इस वर्ष मिस यूनिवर्स इंडिया 2023 श्वेता शारदा जयपुर ज्वैलरी शो की ब्रांड एम्बेसेडर हैं। खटोरिया के अनुसार जेजेएस में ना केवल पुराने एंजीबिटर्स लगातार जुड़े हुए हैं, बल्कि नए एंजीबिटर्स ने भी इस

ब्रान्ड में भाग लेने में गहरी रूचि दिखाई। जेजेएस-2025 में नए एक्जीबिटर्स के साथ- साथ ही कई राष्ट्रीय ब्रांड भी हिस्सा लेंगे। वहीं, शो में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय एंजीबिटर्स भी हिस्सा ले रहे हैं। जिसमें बैंकॉक से बु्थ होगी । इसके अतिरिक्त, जयपुर सहित मुंबई, कोलकाता, दिल्ली, बेंगलूर, हैदराबाद और अहमदाबाद से भी एंजिबिटर्स शामिल ले रहे हैं। इस वर्ष 8000 से अधिक ट्रेड विजिटर्स के शामिल होने की भी उम्मीद है। जेजेएस प्रवक्ता अजय काला ने बताया कि ‘दिसम्बर शो’ के रूप में लोकप्रिय जेजेएस लगभग 50 हजार देशी एवं विदेशी विजिटर्स के साथ देश का एक महत्वपूर्ण आयोजन बन चुका है।

आरओ-ई.ओ. परीक्षा में ब्लूटूथ से नकल करने वाला बदमाश गिरफ्तार

जयपुर (कासं)। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने कार्रवाई करते हुए राजस्व अधिकारी ग्रेड- और अधिशाषी अधिकारी वर्ग- (स्वायत्त शासन विभाग) प्रतियोगी परीक्षा – 2022 में ब्लूटूथ डिवाइस के जरिये परीक्षा में नकल करने वाले फरार चल रहे दस हजार रुपये के इनामी आरोपित सुरेश कुमार निवासी खाजुवाला जिला बीकानेर को गिरफ्तार किया गया है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एसओजी विशाल बंसल ने बताया कि राजस्व अधिकारी ग्रेड- और अधिशाषी अधिकारी वर्ग- (स्वायत्त शासन विभाग) प्रतियोगी परीक्षा – 2022 के संबंध में अप्रार्थियों के द्वारा परीक्षा के दौरान अनुचित साधनों के प्रयोग करने की शिकायत प्राप्त हुई थी। शिकायत की जांच किए जाने के दौरान तकनीकी वित्तेक्षण से स्पष्ट हुआ कि तुलछाराम कालेर व पाँवर

कालेर गैंग द्वारा परीक्षा के दौरान सालासर में मौजूद रहकर परीक्षार्थियों को ब्लूटूथ डिवाइस के जरिये परीक्षा में नकल करवाई है। इस पर एसओजी ने राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा (भर्ती में अनुचित साधनों की रोकथाम के अध्यक्ष) अधिनियम 2022 में मामला दर्ज जांच पडताल की तो सामने आया कि आरोपित सुरेश कुमार इस परीक्षा में अप्रर्थ्यो था।

जिसने पोरव कालेर गैंग से मिलकर ब्लूटूथ डिवाइस के माध्यम से नकल की थी। आरोपी सुरेश कुमार के खिलाफ मामला दर्ज होते हुए वह फरार हो गया था। इस पर आरोपी की गिरफ्तारी के लिए दस हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। इस प्रकरण में अब तक कुल 30 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

इंजीनियर्स की भूमिका सिर्फ निर्माण तक सीमित नहीं : यूडीएच मंत्री

जयपुर । राजस्थान आवासन मंडल में नव-नियुक्त लगभग 100 से अधिक अभियंताओं को आधुनिक एवं व्यावहारिक अभियांत्रिक प्रशिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से दो दिवसीय क्षमता संवर्धन कार्यशाला का आयोजन 18-19 दिसम्बर को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में किया जा रहा है। कार्यशाला का शुभारंभ गुरुवार प्रातः

- हाऊसिंग बोर्ड में नवनियुक्त 100 इंजीनियर्स के लिए 2 दिवसीय तकनीकी कार्यशाला का आयोजन

10 बजे नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री झाबर सिंह खरं ने किया। कार्यशाला का आयोजन भारत सरकार के आवास एवं शहरी विकास मंत्रालय के उपक्रम के तकनीकी सहयोग से किया जा रहा है। उद्घाटन सत्र में मंत्री झाबर सिंह खरं ने कहा कि तेजी से बदलते शहरी परिदृश्य में अभियंताओं की भूमिका



नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह खरं ने गुरुवार को आवासन मंडल के नवनियुक्त इंजीनियर्स की कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया।

केवल निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्हें सुरक्षित, टिकाऊ, ऊर्जा-दक्ष एवं किफायती आवास की अवधारणाओं को व्यवहार में उतारना होगा।

उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम अभियंताओं को नवीन तकनीकों से जोड़ने के साथ-साथ परियोजनाओं की गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करने में सहायक

सिद्ध होंगे। राजस्थान सरकार द्वारा आवासन मण्डल के माध्यम से विभिन्न आए वर्ग के लिए आवास प्रदान के निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इस अवसर पर राजस्थान आवासन मंडल के अध्यक्ष, प्रमुख शासन सचिव, नगरीय विकास विभाग देवाशीष पृथी तथा आवासन आयुक्त डॉ. रश्मि शर्मा ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए प्रशिक्षण को

संगठनात्मक क्षमता निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। कार्यशाला के दौरान विशेषज्ञों द्वारा आधुनिक भवन निर्माण सामग्री, नवीन निर्माण तकनीक, लागत प्रभावी समाधान एवं पर्यावरण अनुकूल प्रथाओं पर तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिससे अभियंताओं को राष्ट्रीय स्तर की सर्वोत्तम तकनीकी जानकारी प्राप्त होगी।

बीकानेर के पीबीएम में कैंसर मरीज को गलत ब्लड चढ़ाया, तबीयत बिगड़ी

पीबीएम हॉस्पिटल के आचार्य तुलसी कैंसर विंग में मरीज भंवरी देवी को दूसरे ग्रुप का खून चढ़ाया

बीकानेर, (निर्स)। पीबीएम हॉस्पिटल के आचार्य तुलसी कैंसर विंग में एक मरीज को गलत ब्लड चढ़ा दिया। यहां मरीज भंवरी देवी (75) को दूसरे ब्लड ग्रुप का खून चढ़ा दिया गया, जिससे उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। घटना के वक्त कैंसर विंग में एक डॉक्टर और दो नर्सिंग स्टाफ मौजूद थे। जब भंवरी देवी को गलत ब्लड चढ़ाया जा रहा था, तभी वहां मौजूद एक परिजन की नजर ब्लड यूनिट पर लिखे ग्रुप पर पड़ी। परिजन ने तुरंत नर्सिंग स्टाफ और डॉक्टरों को मौके पर बुलाया। तुरंत इलाज शुरू किया गया, जिससे महिला की हालत संभल गई।

परिजनों के अनुसार, भंवरी देवी को खून की कमी के चलते भर्ती किया गया था। उनका ब्लड ग्रुप ए प्लस है। पहले 'ए' पॉजिटिव ब्लड की एक यूनिट चढ़ाई गई। इसके बाद दूसरी यूनिट की जरूरत बताई गई। परिजन ब्लड बैक से एक और यूनिट लेकर आए, लेकिन वहां से गलत ग्रुप (बी पॉजिटिव) का ब्लड दे दिया गया। कैंसर विंग के नर्सिंग स्टाफ ने बिना

- जब भंवरी देवी को गलत ब्लड चढ़ाया जा रहा था, तभी वहां मौजूद एक परिजन की नजर ब्लड यूनिट पर लिखे ग्रुप पर पड़ी**

- परिजन ने तुरंत नर्सिंग स्टाफ और डॉक्टरों को मौके पर बुलाया तुरंत इलाज शुरू किया गया, जिससे महिला की हालत संभल गई**

- कैंसर विंग में भंवरी देवी नाम की दो महिला मरीज भर्ती थीं, जिनके पति के नाम अलग-अलग थे, दोनों मरीजों को खून चढ़ाया जाना था**

- गलत खून चढ़ाने के मामले में राज्य सरकार द्वारा रिपोर्ट मांगने पर सरकार को रिपोर्ट भेजी गई**

क्रॉस चेक किए वही ब्लड मरीज को चढ़ा दिया, जिससे उसकी तबीयत बिगड़ गई।

जानकारी के अनुसार कैंसर विंग में भंवरी देवी नाम की दो महिला मरीज भर्ती थीं, जिनके पति के नाम अलग-अलग थे। दोनों मरीजों को खून चढ़ाया जाना था। नर्सिंग स्टाफ ने मरीज की पहचान करते समय पति का नाम और अन्य पहचान विवरण नहीं देखे। दूसरी

भंवरी देवी के लिए मंगवाया गया ब्लड पहली भंवरी देवी को चढ़ा दिया। गलत ब्लड चढ़ाने की प्रक्रिया शुरू होते ही करीब 30 सेकेंड के भीतर मरीज की हालत बिगड़ने लगी। मरीज को घबराहट और बेचैनी होने लगी। तभी वहां मौजूद परिजन की नजर ब्लड यूनिट और मरीज के ब्लड ग्रुप पर पड़ी। परिजन ने तुरंत डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ को मौके पर बुलाया और

ब्लड ट्रांसफ्यूजन रुकवाया।

घटना की शिकायत सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. सुरेंद्र वर्मा से की गई। कुछ ही देर में प्रिंसिपल खुद कैंसर विंग में पहुंच गए। कैंसर विंग के एचओडी डॉ. सुरेंद्र बेनीवाल भी मौके पर पहुंचे और पूरे मामले की जानकारी ली। अस्पताल प्रशासन ने मामले की जांच की बात कही। मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. सुरेंद्र वर्मा ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही रात में मौके पर पहुंचे थे। पेशेंट की हालत फिलहाल बिल्कुल स्थिर है। उसका हीमोग्लोबिन 4.4 ग्राम प्रतिशत था, जिस कारण रात में उसे ब्लड चढ़ाया जा रहा था। ब्लड ट्रांसफ्यूजन के दौरान कुछ समस्या सामने आई।

डॉ. सुरेंद्र वर्मा ने कहा कि सभी विभागों के साथ बैठक कर ब्लड ट्रांसफ्यूजन से जुड़े सरकारी प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए गए हैं। दोषी पाए जाने वाले नर्सिंग स्टाफ, डॉक्टर या टेक्नीशियन के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। विभागीय और प्रिंसिपल स्तर पर जांच

कमेटी गठित कर दी गई है, जो तीन दिन में रिपोर्ट देगी। गलत खून चढ़ाने के मामले में राज्य सरकार ने मेडिकल कॉलेज से रिपोर्ट मांगी है। सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. सुरेंद्र वर्मा ने बताया कि सरकार को रिपोर्ट भेजी गई है।

इस घटना के बाद भाजयुमो शहर अध्यक्ष वेद व्यास अस्पताल पहुंचे और पूरे घटनाक्रम पर नाराजगी जताई। उन्होंने पीबीएम अधीक्षक डॉ. बी.सी. शीया से फोन पर संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन फोन रिसीव नहीं हुआ। बाद में जब प्रिंसिपल मौके पर पहुंचे तो उनके सामने भी लापरवाही को लेकर अपोजिट दर्ज कराई गई।

गुरवार सुबह भाजपा नेता भगवान सिंह मेड़ुतिया और भाजयुमो शहर अध्यक्ष वेद व्यास मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल सुरेंद्र वर्मा के कार्यालय पहुंचे और घटना को लेकर विरोध दर्ज करवाया। नेताओं ने आरोप लगाया कि अस्पताल में सामग्री उपलब्ध होने के बावजूद मरीजों से बाहर से इंजेक्शन, सुलुकोज और कैनुला तक मंगवाए जा रहे हैं।

दुकान का शटर काट 17 लाख की ज्वैलरी ले गए चोर

अलवर, (निर्स)। अलवर शहर के एनईबी थाना इलाके में 60 फीट रोड के पास रामनगर कॉलोनी कट पर स्थित कृतिका ज्वैलर्स पर अज्ञात चोरों ने रात के सवाते में सेंध लगाई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार चोरों ने दुकान का शटर काटकर अंदर घुसकर चोरी की बड़ी वारदात को अंजाम दिया और मौके से फरार हो गए। सुबह के समय पड़ोसी दुकानदार की नजर टूटी हुई शटर पर पड़ी, तो उन्होंने फौरन दुकान मालिक को खबर दी और पुलिस को सूचित किया। एनईबी थाने के एसएचओ दिनेश चंद मीणा अपनी टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर जांच शुरू की।

प्रारंभिक जांच में दुकान मालिक ने बताया कि चोर करीब 70 ग्राम सोना और लगभग 4.5 किलो चांदी चोरी कर ले गए। चोरी गए माल की अनुमानित

- पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली**

कीमत करीब 17 लाख रुपए बताई जा रही है। घटना के बाद से ज्वैलर्स सदमे में है।

कृतिका ज्वैलर्स के मालिक बंटी ने बताया कि वह बुधवार शाम दुकान बंद कर सूर्य नगर स्थित अपने घर चले गए थे। सुबह पड़ोसी दुकानदार के जरिए चोरी की सूचना मिली। फिलहाल पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है, लेकिन अभी तक किसी भी कैमरे में चोरों की स्पष्ट तस्वीर सामने नहीं आई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और अज्ञात चोरों की तलाश जारी है।

अलवर में पूर्व मंत्री हेमसिंह भड़ाना के बेटे ने कांग्रेस नेता को लाठी-डंडों से पीटा

- यूथ कांग्रेस के प्रदेश सचिव संदीप ओला को हमलावर बेहोशी की हालत में छोड़ फरार हो गए**

- मौके से गुजर रहे कार ड्राइवर ने संदीप को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां ट्रॉमा वार्ड में संदीप का इलाज जारी है**

- बताया जा रहा है कि संदीप और सुरेंद्र के बीच पिछले कई दिनों से आपसी रंजिश चल रही थी**

साथ मारपीट हुई है। इसमें मारपीट की धाराओं में शिकायत दर्ज करवाई है। मामला दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी। घायल संदीप ओला ने बताया कि मैं गुरुवार दोपहर करीब 12:30 बजे अपने कमरे पर था। इसी दौरान सुरेंद्र भड़ाना का फोन आया। उसने मुझसे शराब पीने के लिए 2 हजार रुपए मांगे। मना करने

पर सुरेंद्र ने अपने दोस्त सचिन गुर्जर से फोन करवाया। मकान किराए पर लेने की बात कहकर मुझे हसन खां पेट्रोल पंप के पास बुलाया। संदीप ने बताया कि मैं वहां पहुंचा तो सुरेंद्र करीब 20 साथियों के साथ मौजूद था। सुरेंद्र ने दोबारा पैसे मांगे। मेरे मना करने पर मारपीट शुरू कर दी। आरोपियों ने लाठी-डंडों से बेरहमी

अलवर में नौ साल की बच्ची की हत्या

अलवर, (निर्स)। अलवर में नौ साल की बच्ची की हत्या का मामला सामने आया है। मर्डर का शक पिता पर ही जताया जा रहा है। पुलिस बच्ची के पिता को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। मामला प्रतापगढ़ थाना क्षेत्र का गुरुवार सुबह आठ बजे का है।

एसएसी शरण गोपीनाथ कांबले ने बताया कि 9 साल की बच्ची का शव झाड़ियों में मिला था। बच्ची गुरुवार सुबह 8 बजे घर से बकरियां छोड़ने के लिए जंगल में गई, लेकिन वापस नहीं लौटी। बच्ची के शरीर पर खरोंच के निशान भी है।एसएएसएल टीम ने घटनास्थल से सबूत जुटाए हैं। बच्ची के ताऊ और ममेरे भाई ने अलग-अलग शिकायत दी है। ममेरे भाई ने बच्ची के पिता पर ही हत्या का आरोप लगाया है, जबकि ताऊ ने हत्या की आशंका जताई है।

बच्ची के ताऊ ने बताया कि जब बच्ची काफी देर तक घर नहीं पहुंची तो उसकी तलाश शुरू की। अक्सर बच्ची बकरियां छोड़ने के बाद कुछ

- मर्डर का शक पिता पर ही जताया, पुलिस पिता को हिरासत में लेकर पूछताछ की, बच्ची का शव झाड़ियों में मिला था**

ही देर में घर वापस आ जाती थी, लेकिन आज नहीं आई तो उसकी तलाश की। इसी दौरान झाड़ियों में शव पड़े होने की सूचना मिली। बच्ची चार बहन-भाइयों में तीसरे नंबर की थी।

प्रारंभिक जांच में बच्ची के गले और शरीर पर खरोंच के निशान मिले हैं, जिससे मामला संदिग्ध लग रहा है। बताया जा रहा है कि घटना के समय बच्ची की मां पीहर गई हुई थी। पुलिस आफसरों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। वहीं पुलिस मामले की जांच कर रही है।

डीडवाना, (निर्स)। डीडवाना में लोगों को उकसाकर और दबाव बनाकर धर्म परिवर्तन करवाने का गंभीर मामला सामने आया है। इस मामले में डीडवाना पुलिस ने लालचंद डेविड नामक एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर आरोप है कि उसने 15 से 20 लोगों का धर्म परिवर्तन करवाया और खासतौर पर गरीब, पिछड़े व कम शिक्षित वर्ग के लोगों को निशाना बनाया।

मामले को लेकर पुलिस उप अधीक्षक जेदू सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि डीडवाना निवासी राहुल द्वारा डीडवाना पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी, जिसमें लालचंद डेविड पर लोगों को बहला-फुसलाकर और मानसिक दबाव डालकर धर्म परिवर्तन करवाने का आरोप लगाया गया था।

रिपोर्ट के आधार पर जब पुलिस ने जांच शुरू की तो आरोपों की पुष्टि होती चली गई। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी लालचंद डेविड मूल रूप से हिंदू था। करीब आठ वर्ष पहले उसकी माता के बीमार होने के दौरान वह ईसाई पादरियों के संपर्क में आया। उसने प्रभु यीशु से प्रार्थना की और उसकी माता के स्वस्थ होने के बाद इसे चमत्कार मानते हुए उसने ईसाई धर्म अपना लिया। इसके बाद से वह ईसाई धर्म के प्रचार-प्रसार



आरोपी लालचंद डेविड

- आरोपी ने 15 से अधिक लोगों को धर्म परिवर्तन करवाया, लोगों को उकसाकर व दबाव डालकर धर्म परिवर्तन का आरोप**

में सक्रिय हो गया।

जांच में यह भी सामने आया कि हाल ही में लालचंद डेविड डीडवाना पहुंचा, जहां उसने वाल्मीकि समाज सहित अन्य पिछड़े वर्ग के गरीब और कम पढ़े-लिखे लोगों को अपने झांसे में लेना शुरू किया। वह लोगों पर हिंदू देवी-देवताओं की पूजा नहीं करने का दबाव बनाता था और प्रभु यीशु की पूजा करने के लिए प्रेरित करता था। उसके प्रभाव में आकर कई लोगों ने धर्म परिवर्तन कर लिया, जबकि कई अन्य लोग धर्म परिवर्तन की प्रक्रिया में थे।

पुलिस जांच के दौरान एक युवती के मामले का भी सामने आया, जिसने आरोपी के प्रभाव में आकर धर्म परिवर्तन किया और अपनी शादी के कार्ड में ईसाई धर्म

सांवलियाजी सेठ के भंडार से 12.10 करोड़ रुपये निकले



भंडार गिनती में मंदिर बोर्ड अध्यक्ष वैष्णव एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मंडफिया, (निर्स)। मेवाड़ अंचल के प्रमुख तीर्थस्थल भागवान श्री सांवलियाजी सेठ मंडफिया के दरबार का विशाल भंडार गुरुवार चतुर्दशी को मंदिर बोर्ड अध्यक्ष हजारी दास वैष्णव व अतिरिक्त जिला कलेक्टर एवं मंदिर की मुख्य निष्पादन अधिकारी प्रभा गौतम की उपस्थिति में खोला गया।

मंदिर बोर्ड अध्यक्ष वैष्णव ने बताया कि चतुर्दशी को खोले गए भंडार से 12 करोड़ 10 लाख रुपए नगद प्राप्त

- भंडार से बची राशि की गणना एवं भंडार से निकले सोने-चांदी का तोल होना बाकी**

हुए। उन्होंने ने बताया कि भंडार से बची राशि की गणना एवं भंडार से निकले सोने-चांदी का तोल होना बाकी है। मंदिर कार्यालय में विभिन्न भक्तों द्वारा भेंट किए गए सोने-चांदी का तोल एवं

भक्तों द्वारा भेंट रुपयों की गिनती होना भी शेष है। इस मौके पर मंदिर मंडल की ओर से यात्रियों की सुविधाओं के लिए पर्याप्त व्यवस्थाएं की गईं। भंडार गिनती में मंदिर बोर्ड सदस्य पवन तिवारी, रामलाल गुर्जर, हरिराम गाडरी, किशनलाल अहीर, लेखाधिकारी राजेंद्र सिंह, मंदिर प्रभारी भेरू गिरी गोस्वामी, सुरक्षा प्रभारी गुलाब सिंह राजवत सहित मंदिर के चुनिंदा कर्मचारी एवं बैंकों के कर्मचारी उपस्थित थे।

यूआईटी लॉटरी मामले में एईएन को एपीओ किया

भीलवाड़ा, (निर्स)। यूआईटी लॉटरी मामले में विवादों में घिरे यूआईटी के सहायक अभियंता (वर्गएन) रविश श्रीवास्तव को एपीओ कर दिया गया, हालांकि इसके पीछे प्रशासनिक कारणों का हवाला दिया गया है। वहीं लॉटरी के खिलाफ गठित संघर्ष समिति ने इसे अपनी बड़ी जीत बताया है।

नगरीय विकास विभाग के सरकारी आदेश के अनुसार, भीलवाड़ा में तैनात सहायक अभियंता रविश श्रीवास्तव का तुरंत प्रभाव से एपीओ कर दिया गया है। प्रशासनिक कारणों से उन्हें अभी कोई नई जिम्मेदारी (पोस्टिंग) नहीं दी गई है, बल्कि उन्हें जयपुर सचिवालय (हेडक्वार्टर) भेज दिया गया है। जब तक अंका आदेश नहीं आता, उन्हें जयपुर के नगर विकास विभाग में अपनी हाजीरी देनी होगी। श्रीवास्तव यूआईटी की ऑन लाइन लॉटरी में मुख्य सूत्रधार थे और उन्हीं के

द्वारा इस लॉटरी को संपादित करवाया गया था। लॉटरी में अनियमितताओं के आरोप लगाते हुए विगत 2 महीनों से भीलवाड़ा बचाओ संघर्ष समिति आंदोलन कर रही है। भीलवाड़ा की जनता के लगातार विरोध प्रदर्शन के बाद यूआईटी के अधिकारियों ने भी ऑनलाइन प्रक्रिया में टेक्निकल एरर की बात को स्वीकार किया था। यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने इस मामले में जांच और दोषी पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की बात कही थी, लेकिन सख्त एक्शन नहीं हो पाया। इस संबंध में सरकार के दो साल के जश्न को लेकर भीलवाड़ा आए डिप्टी सीएम और जिले के प्रभारी प्रेमचंद वैरवा के समक्ष संघर्ष समिति के संयोजक विजयपाल सिंह ने दस्तावेजों के साथ कार्यवाही की मांग उठाई, उसके बाद विवादों में घिरे यूआईटी एईएन रविश श्रीवास्तव को एपीओ कर दिया गया।

15 साल पुराने हत्याकांड मामले में तीन आरोपियों को आजीवन कारावास

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर जिला अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश नेहा शर्मा ने 15 साल पुराने हत्याकांड में तीनों आरोपियों को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। कोर्ट ने अपने फैसले में आरोपी भागीरथ, किशोर उर्फ किशोरसिंह और रामप्रकाश उर्फ गुट्टा को आजीवन कारावास और प्रत्येक को 1.56 लाख जुर्माने की सजा दी है।

मामला करीब पंद्रह साल पुराना है। 28 फरवरी 2010 को होली के दिन जोधपुर के पीपाड़ शहर थाना क्षेत्र के खांटा गांव में पालड़ी चौराहे पर शराब के पैसे को लेकर हुए विवाद में दिनेश की चाकू और कांच की टूटी बोटलों से हमला कर हत्या कर दी गई थी। सरकार की ओर से अपर लोक अभियोजक मयंक रंकावत ने पक्ष रखा।

परिवादी कानाराम ने पीपाड़ शहर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। दफ्तरी रिपोर्ट के अनुसार 28 फरवरी 2010 की

- पीपाड़ शहर थाना क्षेत्र के खांटा गांव में पालड़ी चौराहे पर शराब के पैसे को लेकर हुए विवाद में दिनेश की चाकू और कांच की टूटी बोटलों से हमला कर हत्या कर दी गई थी**

शाम करीब 7:45 बजे ग्राम खांटा के पालड़ी चौराहे पर स्थित शराब की दुकान पर राजूराम पुत्र केसाराम सेल्समैन था। उस समय दिनेश, रामकरण, सांवरराम आदि खड़े थे, तभी पूर्व नियोजित तैयारी के साथ एकराय होकर एक बोलेंगो जीप में सवार होकर आए 8-9 लोग दुकान पर आए। इनमें से रामनिवास मुंडेल, माधुराम, रामप्रकाश, किशोर, भागीरथ और इनके साथ 3-4 अन्य व्यक्तियों ने दुकान पर आकर शराब मांगी। शराब के पैसे मांगने पर उन लोगों ने यह कहकर मना कर दिया कि वे पैसे नहीं देंगे। वे जबर्दस्ती शराब की बोटलें उठाकर दुकान के भीतर घुसकर गल्ले

से जबर्दस्ती 3500 रुपए छीनकर बोलेंगो में चले गए।

इसके बाद राजूराम दुकान बंद करके दिनेश, रामकरण, सांवरराम के साथ घर जाने के लिए रवाना हुआ। जैसे ही वे पालड़ी चौराहे पर आए तभी रामनिवास व उसके साथी बोलेंगो लेकर आड़े फिरें और नीचे उतरकर चारों पर जानलेवा हमला कर दिया। रामनिवास व माधुराम के पास चाकू, रामप्रकाश के पास गुप्ती व भागीरथ के पास चाकू व टूटी हुई बोटल थी। इन लोगों द्वारा किए गए इस हमले से दिनेश के शरीर पर जगह-जगह चाकूओं से गोद दिया। रामकरण के पेट व शरीर पर बोटल व चाकू से जगह-जगह चोटें आईं। राजू

उर्फ राजेंद्र के शरीर को जगह-जगह चाकूओं से छलनी कर दिया। सांवरराम के हिचकी पर चाकू की चोट आई। इस हमले से दिनेश की मौके पर ही मृत्यु हो गई तथा शेष सभी गायब हो गए। इस मामले में पुलिस ने जांच के बाद पांच आरोपियों के खिलाफ कोर्ट में चालान पेश किया। इनमें मुख्य आरोपी तीनों भाई (भागीरथ, किशोर उर्फ किशोरसिंह और रामप्रकाश उर्फ गुट्टा) के अलावा उनके पिता माधुराम और एक अन्य साथी रामनिवास भी नामजद थे। ट्रायल के दौरान माधुराम और रामनिवास की मौत हो गई। इसी कारण उनके खिलाफ कार्यवाही बंद कर दी गई।

कोर्ट ने अभियोजन पक्ष द्वारा प्रस्तुत 24 गवाहों और दस्तावेजी साक्ष्यों का गहन अध्ययन किया। बचाव पक्ष ने दो गवाह पेश किए। कोर्ट ने पाया कि अभियोजन पक्ष यह साबित करने में सफल रहा कि आरोपियों ने मिलकर

दिनेश, राजूराम, रामकरण व सांवरराम की हत्या करने के इरादे से धारदार हथियार, चाकू व कांच की टूटी हुई बोटलों से हमला किया।

कोर्ट ने कहा कि प्रकरण के सभी तथ्यों व परिस्थितियों एवं अपराध की गंभीरता को देखते हुए आरोपितागण को दोषसिद्ध कर दंडित किया जाना न्यायोचित है। इसके लिए तीनों दोषियों को धारा 302/34 (हत्या) के तहत आजीवन कारावास और 1-1 लाख रुपए जुर्माना, धारा 307 (हत्या का प्रयास) के तहत 10 वर्ष कठोर कारावास और 50-50 हजार रुपए जुर्माना, धारा 325 के तहत 7 वर्ष कठोर कारावास और 3-3 हजार रुपए जुर्माना, धारा 324 के लिए 3 वर्ष कठोर कारावास और 2-2 हजार रुपए जुर्माना और धारा 323 के तहत 1 वर्ष कठोर कारावास और 1-1 हजार रुपए जुर्माना से दंडित किया जाता है। उपरोक्त सभी सजाएं साथ-साथ चलेंगी।

बीस हजार की रिश्वत लेते पुलिस कांस्टेबल गिरफ्तार

जयपुर, (निर्स)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की (विशेष इकाई) जोधपुर टीम ने कार्रवाई करते हुए पुलिस थाना राजीव गांधी नगर जोधपुर पुलिस कमिश्नरेट के पुलिस कांस्टेबल भविष्य कुमार को बीस हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। वहीं इस मामले में पुलिस उप निरीक्षक फरार हो गया है। जिसे एसीबी की टीम तलाश कर रही है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो पुलिस महानिदेशक गोविन्द गुप्ता ने बताया कि एसीबी की (विशेष इकाई) जोधपुर को परिवादी ने शिकायत दी कि उसके गांव चौखा में एक कब्जाशुदा किराये के मकान में रहता है। मकान को लेकर मकान मालिक भभुताराम एवं सागर गहलोत के बीच विवाद चल रहा है। जिसके चलते सागर गहलोत ने भभुताराम व परिवादी के पुत्र के खिलाफ पुलिस थाना राजीव गांधी नगर में मामला दर्ज करवाया है। जहां जांच अधिकारी पुलिस उप निरीक्षक प्रेमनाथ व कांस्टेबल भविष्य कुमार द्वारा

- मामले में पुलिस उप निरीक्षक फरार, एसीबी की टीम तलाश कर रही है**

परिवादी को पुलिस थाना राजीव गांधी नगर में बुला कर सागर गहलोत को धमकाने का आरोप लगाकर मुकदमे पर परिवादी का भी मामला उसके फंसाने एवं गिरफ्तार करने की धमकी देकर मुकदमे से नाम हटाने की एवज में तीस हजार रुपये की रिश्वत की मांग रहे हैं, जिस पर एसीबी जोधपुर (एसयू) टीम के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ओमप्रकाश चौधरी के नेतृत्व में ट्रेप कार्रवाई करते हुए पुलिस कांस्टेबल को भविष्य कुमार को पुलिस थाना राजीव गांधी नगर के सामने परिवादी की गाड़ी में बैठकर बीस हजार रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया है और वहीं पुलिस उप निरीक्षक प्रेमनाथ एसीबी कार्यवाही की भनक लगने से मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश जारी है।

बस की टक्कर से बाइक सवार की मौत

जैसलमेर, (निर्स)। जिले के मोहनगढ़ नहरी क्षेत्र के सुभार मंडी रोड पर गुरुवार को एक सड़क हादसा हो गया। कृषि उपज मंडी के पास एक तेज रफ्तार निजी बस ने मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार युवक को करीब 50 मीटर तक सड़क पर घसीटते हुए ले गई। इस भयावह मंजर में युवक ने मौके पर ही हम दम तोड़ दिया। हादसे के बाद बस ड्राइवर व कंडक्टर मौके से बस को छोड़कर फरार हो गए। मोहनगढ़ पुलिस ने अनिल विश्रनोई के शव को हॉस्पिटल भिजवाया और बस को जब्त कर ड्राइवर कंडक्टर की तलाश शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार, बस मोहनगढ से अनूपगढ की ओर जा रही थी। इसी दौरान सुभार मंडी रोड पर सामने से आ रही बाइक को बस ने अपनी चपेट में ले लिया। मृतक की पहचान अनिल कुमार विश्रनोई (30 वर्ष) पुत्र राकेश कुमार विश्रनोई, निवासी ग्राम पंचायत जवाहरनगर, पुलिस थाना पीटीएम के रूप में हुई है।

रबी सीजन में किसानों को पर्याप्त विद्युत आपूर्ति होगी- भजनलाल

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सौर ऊर्जा व बैटरी स्टोरेज की संभावनाएं तलाशने के निर्देश दिए

जयपुर, 18 दिसम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारागत 2 वर्षों में लिए गए निर्णयों से प्रदेश की विद्युत उत्पादन क्षमता में वृद्धि हुई है। साथ ही, किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध कराने के

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश में विद्युत आपूर्ति की समीक्षा बैठक ली तथा माँग के अनुरूप विद्युत उत्पादन का संतुलन बनाने के लिए स्थाई कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए।**



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को विद्युत आपूर्ति की समीक्षा बैठक ली। बैठक में मुख्यमंत्री कार्यालय एवं ऊर्जा विभाग के उच्चाधिकारियों ने भाग लिया।

लिए भी ठोस कदम उठाए गए हैं। उन्होंने ऊर्जा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि रबी सीजन में किसानों के लिये पर्याप्त और निर्राध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।

शर्मा गुरुवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में विद्युत आपूर्ति के संबंध में आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने राज्य में विद्युत आपूर्ति

में आ रही समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए जिम्मेदार कार्मिकों और अधिकारियों की फील्ड विजिट में वृद्धि के लिए निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश में बिजली की मांग के अनुरूप विद्युत उत्पादन का संतुलन बनाने की स्थायी कार्ययोजना तैयार कर मुख्यमंत्री कार्यालय को अवगत कराएं। मुख्यमंत्री ने

अधिकारियों से कहा कि प्रदेश की विद्युत उत्पादन क्षमता में वृद्धि एवं वितरण तंत्र को मजबूत बनाने के लिए योजना के अनुरूप कार्य करें। उन्होंने ऊर्जा विभाग को प्रदेश में बैटरी स्टोरेज के साथ ही, सौर ऊर्जा उत्पादन के लिए नवीन क्षेत्रों में संभावनाएं तलाशने के निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने “पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना” के संचालन में प्रगति लाने के

लिए भी निर्देश दिए।

इस दौरान मुख्यमंत्री को ऊर्जा विभाग की ओर से प्रजेेंटेशन के माध्यम से प्रदेश में विद्युत आपूर्ति की जानकारी दी गई। इस अवसर पर ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास सहित, मुख्यमंत्री कार्यालय एवं ऊर्जा विभाग के उच्चाधिकारी उपस्थित थे।

‘इंडिगो का बुरा समय बीत चुका है’

नयी दिल्ली, 18 दिसंबर। इंडिगो के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) पीटर एल्क्स ने गुरुवार को कहा कि बुरा समय बीत चुका है और 19 साल पुरानी विमान सेवा कंपनी को सिर्फ संकट के “तीन दिन” के आधार पर नहीं आंका जाना चाहिए।

एल्क्स ने कर्मचारियों के नाम जारी एक वीडियो संदेश में, कठिन समय में साथ देने के लिए कर्मचारियों को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, “बुरा समय अब पीछे छूट चुका है।” कंपनी आज 2,200 उड़ानों का परिचालन कर रही है। यह टिमवर्क का नतीजा है।”

‘नारी सशस्त्रीकरण ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
सकात्मक अस्तर या गुंजाइश पैदा करने की स्थिति में नहीं होता। पीके यह बात समझते ही हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि फिर इस मुलाकात का उद्देश्य क्या था?

राहुल गांधी की तुलना में पीके का तात्कालिक प्रियंका के साथ बेहतर रहा है। जब उन्हें 2०17 के उत्तर प्रदेश चुनाव में कांग्रेस को चुनावी रणनीति सभालने को कहा गया था, तब पीके की पहली पसंद प्रियंका को मुख्यमंत्री पद के चेहरे के तौर पर प्रोजेक्ट करने की थी। वर्ष 2०22 में भी, जब पीके ने कांग्रेस नेतृत्व के सामने पार्टी को फिर से मजबूत करने के लिए कई प्रस्तुतियाँ दी थीं, उस समय, खबरों के मुताबिक, प्रियंका इस पक्ष में ज्यादा थीं कि उनसे पार्टी में शामिल होने का अनुरोध किया जाए।

पीके अपने करियर को इस तरह परिभाषित करते हैं—दस साल वर्ल्ड बैंक में, दस साल राजनीतिक रणनीतिकार के रूप में और अब दस

साल बिहार की स्थिति सुधारने के लिए। ‘एकला चालो’ के अपने घोषित रास्ते से किसी भी तरह का हटना उनके लिए राजनीतिक आत्महत्या के समान होगा।

समझा जाता है कि व्यावहारिक सोच रखने वाले पीके ने प्रियंका के साथ हुई इस मुलाकात में, अनौपचारिक रूप से और बिना किसी पारिश्रमिक के, अपनी सेवाएँ देने की पेशकशी की है।

राजनीति की राह अनिश्चित होने के कारण, पीके का मानना है कि मौजूदा निराशाजनक हालात के बावजूद, कांग्रेस की किस्मत फिर से पलट सकती है। जेएसपी सूत्रों के अनुसार, प्रियंका को उन्होंने यह सलाह भी दी है कि देश की राजनीति में बढ़ते लैंगिक रुझान को देखते हुए, उन्हें पार्टी के कामकाज में और अधिक प्रमुख भूमिका निभानी चाहिए, ताकि पिछले वर्षों में राहुल के खिलाफ चलाए गए नकारात्मक प्रचार को संतुलित किया जा सके।

‘महबूबा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
नीतीश कुमार ने इस सप्ताह को शुरूआत में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में एक महिला डॉक्टर का बुकी खींच कर एक बड़ा विवाद खड़ा कर दिया था। वह महिला डॉक्टर अपनी नियुक्ति पत्र लेने आई थीं। अब्दुल्ला ने कहा, “आगर (बिहार) के मुख्यमंत्री को उसे (मुस्लिम महिला) आदेश सौंपना नहीं चाहते थे, तो वे उसे अलग रख सकते थे। लेकिन, उसे इस तरह से अपमानित करना पूरी तरह गलत है।”

सरिस्का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
रेंजर शंकर सिंह ने बताया, आग करीब 1०0 हेक्टेयर के क्षेत्र में फैल गई थी, लेकिन आग लगने का कारण पूरी तरह सामने नहीं आया है। एक युवक जंगल में मिला है, जिसने अलाव तापने की बात कही है। वह मानसिक रूप से विक्षिप्त नजर आता है।

‘ अगर केरल में जीतना है ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
इसका उत्तर है, क्या काम? असल में उनके पास या तो बहुत कम काम है या कोई काम ही नहीं है। अधिकांश राज्य के फैसले के.सी. वेणुगोपाल द्वारा ही लिए जाते हैं।

और बिना उनके “ओके” के, वे कोई निर्णय नहीं ले सकते। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भूपेश बघेल ने, पंजाब के एआईसीसी महासचिव हैं, वेणुगोपाल की सहमति के बिना कोई निर्णय नहीं लेते।

नेताओं का कहना है कि पंजाब एक समृद्ध राज्य है, जिसमें बहुत पैसा है, और वेणुगोपाल एक ऐसा समूह नियंत्रित करते हैं, जो केवल उन्हें जवाब देता है।

राजस्थान के प्रभारी रंधावा भी इस समूह का हिस्सा हैं और रंधावा के माध्यम से वेणुगोपाल राजस्थान को नियंत्रित करते हैं।

रंधावा के अशोक गहलोत, पीसीसी अध्यक्ष डोटासरा और सीएलपी नेता टीकाराम जुली के साथ करीबी रिस्ते हैं।

जिला अध्यक्षों की नियुक्ति भी इस समूह द्वारा की गई है, जिससे राज्य नेताओं में काफी नाराजगी पैदा हुई है और राहुल गांधी के जिला अध्यक्षों की नियुक्ति की पूरी अवधारणा को नकार दिया गया है।

अशोक गहलोत पुनर्वाँसित होने के लिए इच्छुक हैं और वेणुगोपाल

- राजस्थान में प्रभारी रंधावा यह भूमिका निभा रहे हैं तथा वे अशोक गहलोत, डोटासरा व जुली को साथ लेकर राजस्थान में कांग्रेस संगठन चला रहे हैं।**

- गहलोत किसी तरह अपना पुनर्वास चाहते हैं तथा वेणुगोपाल अब उन्हें राज्यसभा का सदस्य बनवाना चाहते हैं और इस उद्देश्य को हासिल करने के लिए वेणुगोपाल तर्क दे रहे हैं कि गहलोत को दिल्ली भेजना इसलिए भी जरूरी है, जिससे नये नेताओं को काम करने का पूरा खुला मौका मिले और इस तर्क का मतलब यह भी नहीं कि नया नेता सचिन पायलट ही होंगे। आजकल रंधावा डोटासरा पर ज्यादा मेहरबान हैं।**

- यह व्यंग्य भी सुनाई दे रहा है कि जिस तरह वेणुगोपाल ने राहुल गांधी को सम्मोहित कर रखा है, शायद केरल की जनता को भी सम्मोहित कर लें और कांग्रेस केरल में जीत कर सरकार बना ले।**

ओवरटाइम काम कर रहे हैं, ताकि उन्हें राजस्थान से राज्यसभा में लाया जा सके, भले ही उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के खिलाफ खुली बगावत की थी।

वेणुगोपाल द्वारा प्रचारित की जा रही लाइन यह है कि गहलोत को दिल्ली लाना आवश्यक है, ताकि राजस्थान में एक नए नेता के लिए जगह बन सके।

स्रोतों का कहना है कि नया नेता सचिन पायलट नहीं हो सकता, क्योंकि वेणुगोपाल डोटासरा को बढ़ावा दे

रहे हैं।

कांग्रेस नेताओं का कहना है कि वेणुगोपाल, जो हिंदी और अंग्रेजी दोनों में कमजोर हैं, इतने प्रतिभाशाली हैं और उनका प्रभाव पूरे भारत में है और केवल वे ही कांग्रेस के लिए केरल जीत सकते हैं।

इस समय चर्चाएं हैं कि वाम मोर्चा सत्ता में लौटने की तैयारी में है, लेकिन जैसे के.सी. वेणुगोपाल ने अपनी जादूगरी से राहुल का विश्वास हासिल किया, वैसे ही वह केरल में भी जादू कर सकते हैं।

‘जी राम जी बिल की प्रति फाड़कर विपक्ष ने लोकतंत्र को कलंकित किया’

- केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने जी राम जी बिल पर बहस का जवाब देते हुए विपक्षी दलों की आलोचना की**

विपक्षी दल कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के सांसदों के आचरण से संसदीय मर्यादाएं तार-तार हुई हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने अपने कृत्य से

लोकतंत्र को भीड़तंत्र और गुंडातंत्र में बदला है। चौहान ने कहा, “आप जानते हैं कि विकसित भारत: रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) (बीबी-जीरामजी) विधेयक पर चर्चा थी। संसद में बुधवार को इस विधेयक पर चर्चा शुरू हुई, हमने पूरी गंभीरता से माननीय सांसदों की बातें सुनीं, क्योंकि चर्चा ही लोकतंत्र की प्राण है। लेकिन विपक्ष द्वारा जैसे अमर्यादित आचरण का प्रदर्शन हुआ, कागज फाड़कर उछाले गए, तो क्या ये बापू का अपमान नहीं है।

लाल किला बम विस्फोट मामले में एक और मुख्य आरोपी गिरफ्तार

आरोपी यासिर अहमद दार शोपियां का निवासी है

नयी दिल्ली, 18 दिसंबर। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले के पास 1० नवंबर को हुए कार विस्फोट मामले में एक और मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया है। इस विस्फोट में 11 लोगों की मौत हुई थी और कई अन्य घायल हुए थे।

इस मामले में गिरफ्तार होने वाला नौवां व्यक्ति यासिर अहमद डार है जो जम्मू कश्मीर के श्रीनगर के शोपियां का निवासी है। उसे केंद्रीय एजेंसी ने नयी दिल्ली से गैर कानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम तथा भारतीय न्याय संहिता के विभिन्न प्रावधानों के तहत गिरफ्तार किया है।

एनआईए की जांच से राष्ट्रीय राजधानी को दहला देने वाले इस कार

प्र.मंत्री मोदी ‘ऑर्डर ऑफ ओमान’ से सम्मानित

मस्कट, 18 दिसम्बर। ओमान ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपने सर्वोच्च सम्मान ऑर्डर ऑफ ओमान से सम्मानित किया है। ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक अल सईद ने गुरुवार को मस्कट में प्रधानमंत्री मोदी को इस सम्मान से नवाजा।

मोदी दो दिन की यात्रा पर ओमान

- यह ओमान का सर्वोच्च सम्मान है और सुल्तान हैथम बिन तारिक अल सईद ने मस्कट में मोदी को इस सम्मान से नवाज़ा।**

गए हुए हैं। इससे पहले मोदी को इथियोपिया ने भी अपने सर्वोच्च सम्मान से नवाजा था।

मोदी और सुल्तान अल सईद की मौजूदगी में भारत और ओमान ने व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीडीपीए) पर हस्ताक्षर भी किए।

मनरेगा खत्म करने की साजिश का सख्त विरोध करेंगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा मोदी सरकार का विकसित भारत जी राम जी बिल गरीब विरोधी है

नयी दिल्ली, 18 दिसंबर। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे तथा पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड़ा ने कहा है कि "विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) (संशोधन) विधेयक 2०25 गरीब विरोधी है और यह सरकार की मनरेगा को खत्म करने की रणनीति है, जिसका सख्त विरोध किया जाएगा।

वाड़ा ने लोकसभा में बीबी-जी-राम-जी (संशोधन) विधेयक 2०25 के पारित होने के बाद, संसद भवन परिसर में पत्रकारों से कहा कि "यह बिल गरीबों के खिलाफ है। वे और उनकी पार्टी इस विधेयक का विरोध करेंगी। इस विधेयक से आने वाले

विपक्ष के भारी विरोध के बीच जी राम जी बिल लोकसभा में पारित

यह बिल दो दशक पुराने ग्रामीण रोजगार गारंटी कानून मनरेगा का स्थान लेगा

- विकसित भारत जी राम जी बिल पर लोकसभा में बुधवार देर रात तक लगभग 9 घंटे चर्चा चली तथा कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बहस का जवाब दिया।**

दिया गया। चौहान ने कहा कि विधेयक महिला, युवा, गरीबों के जीवन में बदलाव लाने के साथ ही बापू के सपनों और उनके आदर्शों को ज़िंदा रखने में अहम भूमिका निभाएगा और यह कानून गरीबों की ज़िंदगी बदलकर आदर्श ग्राम स्थापित करेगा जिसमें लोगों को सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

मनरेगा कानून 20०5 में तत्कालीन संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार के कार्यकाल में बना था और उस सरकार का यह उसके प्रमुख कार्यक्रमों में से एक था। मनरेगा के जरिए ग्रामीण क्षेत्र में हर परिवार को न्यूनतम 1०0 दिन सालाना रोजगार की कानूनी गारंटी दी गयी। बीबी जी राम

जी विधेयक में 1०० के स्थान पर न्यूनतम 125 दिन के रोजगार की गारंटी का प्रस्ताव है। खेती-बाड़ी में श्रमिकों की कमी की समस्या को ध्यान में रखते हुए बुवाई-कटाई के मौसम में वर्ष में 6० दिन तक इस योजना के काम को स्थगित रखा जा सकता है। यह फैसला राज्य सरकारों के हाथ में होगा कि किस समय इसे स्थगित रखना है। इसे केंद्र प्रायोजित योजना बनाया गया है और केंद्र तथा राज्य का अंशदान 6०:4० के अनुपात में होगा। पूर्वोत्तर और हिमालय क्षेत्र के राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के लिए 9० प्रतिशत धन केंद्र देगा। जिन केंद्र शासित प्रदेशों में विधायिका नहीं है वहां पूरा खर्च केंद्र उठाएगा।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा मोदी सरकार का विकसित भारत जी राम जी बिल गरीब विरोधी है

- कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने कहा रोजगार अवधि 100 से 125 दिन करना एक चालाकी है, इस स्क्ीम से आने वाले दिनों में मनरेगा योजना खत्म हो जाएगी।**

महीनों में मनरेगा खत्म हो जाएगा। जैसे ही इसका बोझ राज्यों पर पड़ेगा, यह योजना धीरे-धीरे खत्म हो जाएगी। उन्होंने कहा कि मनरेगा को खत्म करने वाले इस विधेयक का उनका गठबंधन पूरी तरह से विरोध करेगा। सभी विपक्षी दल इस मुद्दे पर सहमत हैं और एकजुट हैं।

वाड़ा ने इस विधेयक को मनरेगा खत्म करने की योजना बताते हुए कहा "1०0 दिन से 125 दिन की सजदूरी वाली बात सिर्फ एक चालाकी है। इस

बिल से आने वाले समय में मनरेगा स्कीम खत्म हो जाएगी। जैसे ही बजट का बोझ राज्य सरकारों पर पड़ेगा, वैसे ही धीरे-धीरे मनरेगा बंद होने लगेगी।

मनरेगा योजना देश के गरीब से गरीब लोगों के लिए रोजगार का सहारा थी, जो कोरोना जैसे मुश्किल हालात में भी उनके साथ थी। यह विधेयक गरीब-मजदूरों के खिलाफ है, हम इसका सख्त विरोध करेंगे।

इससे पहले कांग्रेस तथा विपक्षी दलों के नेताओं ने संसद भवन परिसर

कोलकाता अलीपुर ज़ू में बाघिन की मौत

कोलकाता, 18 दिसंबर। ओडिशा के नंदनकानन से लाई गई 34 महीने की एक बाघिन का दक्षिण कोलकाता के अलीपुर चिड़ियाघर में अज्ञात बीमारी से मौत हो गई।

रायल बंगाल टाइगर की यह तीसरी मौत है, जिससे पश्चिम बंगाल में पशु प्रेमियों की चिंता बढ़ गई है।

उल्लेखनीय है कि यह बाघिन फरवरी 2०23 में ओडिशा के नंदनकानन में पैदा हुई थी और उसी साल आगस्त में कोलकाता लाई गई थी। बुधवार को अलीपुर चिड़ियाघर में अपने पिंजरे में वह मृत पाई गई। अलीपुर चिड़ियाघर की निदेशक तुषिता सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम किया गया है और युवा बाघिन को असमय मौत के कारण का पता लगाने के लिए विवरण जांच किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि बाघिन होमोप्रोटोडोअन पैरासाइट से होने वाले संक्रमण से पीड़ित थी। उसे चिड़ियाघर के स्वास्थ्य सुविधा

- ज़ू में सितम्बर में भी दो बाघों की मौत हो चुकी है। मृत बाघिन ओडिशा के नंदनकानन से लाई गई थी।**

केंद्र में भर्ती कराया गया था, जहां उसकी मौत हो गई। यह पैरासाइट टिक्स या काटने वाली मकियों से फैलता है, जिससे बुला, एनीमिया और पीलिया होता है। ये पैरासाइट पालतू जानवरों को भी प्रभावित करता है। विस्तार जांच से मौत के सही कारण का पता चलेगा। जाने-माने भारतीय वन्यजीव संरक्षक, फोटोग्राफर और पर्यावरणविद् विस्वजीत राय चौधरी ने युवा बाघिन की मौत पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा, "मुझे संदेह है कि चिड़ियाघर के अंदर कुछ पैरासाइट हाल की मौतों के लिए जिम्मेदार हैं।"

‘बोतलबंद पानी की ...

लिए भूमिगत जल पर निर्भर है। “यह एक शहर-केन्द्रित दृष्टिकोण है, ग्रामीण क्षेत्रों में लोग भूमिगत जल पीते हैं, और उन्हें कोई परेशानी नहीं होती।”

कोर्ट ने यह भी नोट किया कि अगर याचिका उन क्षेत्रों पर केन्द्रित होती, जहां पीने के पानी की बुनियादी सुविधाएं नहीं नहीं हैं, तो वह मामला अलग तरीके से देख सकते थे। मुख्य न्यायाधीश ने कहा, “पानी की बोतल में यह सामग्री होनी चाहिए, वह सामग्री होनी चाहिए, ये सब लगभगी मुकद्दमे हैं।”

जब वकील ने इस मामले को लगभगी मुकदमा कहने पर असहमत होकर इसके सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रभावों पर जोर दिया, तो बेंच ने कहा कि वे याचिका मौजूदा वास्तविकताओं को नजरअंदाज कर रही हैं।

सीजेआई ने कहा, “क्या आप सोचते हैं कि हम, यूएसए, ईयू या जापान के दिशा निर्देश लागू कर सकते हैं? चलिए, देश की वास्तविकताओं को देखते हैं। कोई भी गरीबों का मुद्दा नहीं उठाता, यह अमीरों और शहरीकरण का डर है।”

हालांकि, याचिका में कहा गया है कि तुल्य स्वास्थ्य संगठन के मानकों की वजह में भारतीय मानकों की स्वीकार्य सीमाएं पुरानी हैं, पर कोर्ट ने इस पर जाँच से इनकार कर दिया। हालांकि, कोर्ट ने याचिकाकर्ता को याचिका वापस लेने की अनुमति दी और उचित प्राधिकृत प्राधिकरण से संपर्क

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : ०141-2373513, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, इंदुप्राग हथ्या, बीकानेर। फोन: 22०066०, फैक्स ०151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आर्यद मैन रोड आर्यद, उदयपुर। फोन: 2413०92, फैक्स : ०294-241०146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:०145-2624665 जालौर कार्यालय :- जी 1/63, इन्दर्टीपल एरिया, फस प्रथम, जालौर। फोन226422,226423, फैक्स: ०2973-226424 डिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-2०1, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 23०200, 230400, फैक्स: ०7469-23०600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 2569०6, 256907, फैक्स: ०1562-2569०8

